विचार बिन्दु

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। –हरिवंश राय बच्चन

जलवायु परिवर्तन के खतरनाक परिणाम सामने आने लगे हैं

बीता 2022 का साल एक असाधारण वर्ष था। लगभग आधी सदी बाद पहली बार चांद पर कोई यान फिर उतारा गया। वैज्ञानिकों ने 'जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप' के जरिये ब्रह्मांड में पहले से कहीं अधिक दूर गहराई तक झांक कर उसकी रचना और निर्माण की खोज करने का इतिहास रचा। वैज्ञानिकों ने गहरे अंतरिक्ष की खोज करने के लिये करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर तक ही नहीं झांका, बल्कि साथ ही साथ अपनी पृथ्वी की ओर भी दृष्टि डालना जारी रखा।

उन्होंने पिछले साल पृथ्वी पर क्या देखा? बहुत कुछ देखा। जो देखा वह डरावना है। मानव पर्यावरण के साथ जैसा खिलवाड़ कर रहा है उसकी जानकारी वैज्ञानिकों के अध्ययनों में सामने आई है। यह जानकारी धरती पर मानव के भविष्य के लिए चेतावनी देती है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के अध्ययन बताते हैं कि बीते साल जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन एक बार फिर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गये हैं। पिछले साल जुलाई में 'एमिट' नाम का एक नया उपकरण अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को भेजा गया।

यह यंत्र विभिन्न स्त्रोतों से आने वाली एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस मीथेन, जिसे 'सुपर एमिटर' की तरह पहचाना जाता है, के उद्गम स्थानों का पता लगाता है। यह तो अब जग जाहिर है कि मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसें जलवायु प्रणाली में अनावश्यक गर्मी बनाये रखती हैं जिससे धरती की सतह का तापमान बढ़ता हैं। पिछला वर्ष, 1880 के बाद पृथ्वी के पांचवें सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज हुआ। साथ ही इस सदी के पिछले नौ लगातार वर्ष सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज हुए हैं। धरती के बढ़ते तापमान ने पिछले साल दुनिया भर में अलग-अलग जगहों पर उत्पात मचाया, कहर ढाया। नेशनल ओशियेनिक एण्ड एटमॉसफियरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) और नासा के विश्लेषणों के अनुसार जलवायु प्रणाली में अधिकांश अतिरिक्त गर्मी समुद्र में बनती है। उनके आंकड़े बताते हैं कि 2022 में समुद्र की गर्मी के नये रिकॉर्ड बने। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह बढ़ी हुई समुद्री गर्मी तीव्र उष्णकटिबंधीय तूफानों को बढ़ावा दे सकती है। इसे हमने पिछले सितंबर में तूफान 'इयान' के रूप में देखा भी। अमरीका में 'इयान' एक उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में आया और 24 घंटे के भीतर तेजी से तूफ़ानों की भीषण तीव्रता की संख्या चार की श्रेणी में तब्दील हो गया। यह तूफान अमेरिका में तबाही के लिहाज से अब तक के सबसे बड़े तूफानों में से एक माना जा रहा है।

जब जलवायु प्रणाली गर्म होती है तब वातावरण में अधिक नमी बनती है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक तीव्रता वाली भारी वर्षा होती है। पिछले साल जून से सितंबर तक हमने पड़ोसी पाकिस्तान में उसका तांडव देखा। लंबे समय तक और भारी मानसूनी बारिश के कारण वहां पिछले एक दशक की सबसे भीषण बाढ़ आई जिससे वहां जबरदस्त तबाही मची। बढ़ती गर्मी से न केवल वातावरण में अधिक पानी बनता है और भारी बारिश होती है, बल्कि उससे मिट्टी की नमी को भी नुकसान पहुंचता है। इससे सूखे के हालात बढ़ जाते हैं। पिछले साल अमेरिका के पश्चिम में सूखा पड़ा जिसके कारण उसके लेक मीड और लेक पॉवेल जैसे महत्वपूर्ण जलाशयों की क्षमता गिर कर केवल 27 प्रतिशत तक रह गई। शुष्क और गर्म परिस्थितियों का परिणाम जंगल में लगने वाली आग के खतरों के बढ़ जाने में भी होता है।

जनवरी में लंबे समय से चली आ रही गर्मी और सूखे के दौरान, अर्जेन्टीना के कोरिएंटेस प्रांत में आग लगने की एक हजार से अधिक घटनाएं हुई। इसने अमरीका के इबेरा राष्ट्रीय उद्यान और आसपास के खेतों की महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि को नष्ट कर दिया। ऐसे हालात अमरीका के हैं जहां उन्नत प्रोद्योगिकी है और प्रकृति की प्रत्येक हलचल पर वैज्ञानिक पल-पल नज़र रखते हैं। जलवायु परिवर्तन का असर कुछ देशों को नहीं, वरन् समूची दुनिया पर पड़ता है। कोई देश यह सोचे कि वह प्रकृति की मार से बच जाएगा तो यह उसकी खाम-खयाली होगी। अमेरिकी भूभौतिकीय संघ की 2022 की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत जीआईएसएस शोध के साथ-साथ एक अलग अध्ययन और आया है जिसके अनुसार, आर्कटिक क्षेत्र में वार्मिंग प्रवृत्तियों सबसे अधिक प्रभाव नजर आ रहा है। यह वैश्विक औसत के चार गुना के करीब है। दुनिया भर के समुदाय उन सभी प्रभावों को महसूस कर रहे हैं जिन्हें वैज्ञानिक गर्म होते वातावरण और समुद्र से जुड़े हुए मान रहे हैं।

पर्यावरण मानकों का सख्ती से पालन करने, अक्षय ऊर्जा, जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पनबिजली के उपायों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। तभी ग्लोबल वार्मिंग पैदा करने वाली गैसों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके लिए मजबूती से लगातार प्रयत्न करते रहने की जरूरत है।

नासा के वैज्ञानिक वैश्विक तापमान का विश्लेषण मौसम स्टेशनों और अंटार्कटिक अनुसंधान स्टेशनों के साथ-साथ जहाजों और समुद्र के जहाजों पर लगे उपकरणों द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों से तैयार करते हैं। वैज्ञानिक डेटा में अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए इन मापों का विश्लेषण करते हैं और हर साल वैश्विक सतह के औसत तापमान के अंतर की गणना के लिए सुसंगत तरीके काम में लेते हैं। सतह के तापमान के ये भू-आधारित माप नासा के एक्वा उपग्रह पर वायुमंडलीय इन्फ्रारेड साउंडर द्वारा 2002 से एकत्र किए जा रहे उपग्रह डेटा और अन्य अनुमानों के अनुरूप ही हैं। इसलिए उनकी विश्वसनीयता पर कोई विवाद नहीं है।

समय के साथ वैश्विक तापमान कैसे बदलते हैं, यह समझने के लिए नासा 1951 से 1980 की अवधि को आधार रेखा के रूप में उपयोग करता है। उस आधार रेखा में 'ला नीना' और 'एल नीनो' जैसे जलवायु पैटर्न भी शामिल हैं। इनके साथ ही अन्य कारकों में असामान्य रूप से गर्म या ठंडे वर्ष भी शामिल किये जाते हैं। इसमें पृथ्वी के तापमान में प्राकृतिक भिन्नताओं को भी शामिल किया जाता हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि किसी भी वर्ष में औसत तापमान को कई कारक प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में 'ला नीना' की स्थिति के लगातार तीसरे वर्ष बनाने के बावजूद वर्ष 2022 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्षों में से एक था। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 'ला नीना' के शीतलन प्रभाव ने वैश्विक तापमान को थोड़ा कम (लगभग 0.11 डिग्री फ़ारेनहाइट या 0.06 डिग्री सेल्सियस) किया हो सकता है, जो औसत से अधिक सामान्य समुद्री परिस्थितियों में होता। एक अलग, स्वतंत्र विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालाने वाले अमरीका के नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) जिसने 2022 के लिए वैश्विक सतह का तापमान 1880 के बाद से पांचवां उच्चतम बताया के वैज्ञानिक अपने विश्लेषण में समान रूप से तापमान के कच्चे डेटा का अधिक उपयोग करते हैं। वे एक अलग आधारभूत अवधि (1901-2000) और पद्धति अपनाते हैं। हालांकि कुछ खास वर्षों के लिए रैंकिंग के रिकॉर्ड के बीच थोडी भिन्नता हो सकती है मगर वे व्यापक तौर पर दीर्घकालिक ग्लोबल वार्मिंग को दर्शाते हैं। नासा के 2022 तक वैश्विक सतह के तापमान के पूर्ण डेटासेट का वैज्ञानिकों ने कैसे विश्लेषित किया वह उसका कोड सहित पूर्ण विवरण सार्वजनिक रूप से जियोग्रैफिक इनफार्मेशन सिस्टम पर उपलब्ध हैं। यह नासा की एक प्रयोगशाला है जिसका प्रबंधन मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एजेंसी के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के पृथ्वी विज्ञान प्रभाग द्वारा किया जाता है। यह प्रयोगशाला न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय के अर्थ इंस्टीट्यूट और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंस से संबद्ध है।

जलवायु का आसन्न संकट धरती के किसी एक भूभाग के लिए नहीं है। वह सभी को प्रभावित करने वाला है। यह सम्पूर्ण मानव जाति का सामूहिक संकट है जिसे सामूहिक तरीके से ही निबटा जा सकता है। यही कारण है कि अंतरिक्ष से पृथ्वी पर नज़र रखने वाला अंतरिक्ष विज्ञान का संस्थान अपनी जानकारियों का सबसे साझा करता है। समाधानों को बढ़ावा देने के लिये वह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की जानकारी का ओपन डेटा उपलब्ध कराता है। जैसा कि हमने देखा है कि जलवायु का गरम होना हम सभी को प्रभावित करता है और इसका मुकाबला करने के लिए हम सभी को आगे बढ़ना है। जैसा कि 2022 और उसके पिछले वर्षों में वैज्ञानिकों ने जो आंकड़े दिये उनसे अब विश्व के सभी देश जलवायु की चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने लगे हैं और समझने लगे हैं कि उनका सामना करना कितना महत्वपूर्ण है। अब यह सबको भली भांति समझ में आ गया है कि ग्रीन हाउस प्रभाव की वजह से पैदा होने वाली ग्लोबल वॉर्मिंग आने वाले समय में मानवजाति की सबसे बड़ी चुनौती है। धीरे-धीरे यह भी सबको साफ होता जा रहा है कि जल्द ही कुछ करने की जरूरत है ताकि धरती को गरम होने से रोका जा सके। ऐसी प्राकृतिक आपदा जो मानव के हस्तक्षेप से आती है। यह वक़्त उसे रोकने के उपाय करने का है। वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग में कमी के लिये मुख्य रूप से सी.एफ.सी. गैसों का उत्सर्जन रोकना होगा और इसके लिये फ्रिज, एयर कंडीशनर और दूसरे कूलिंग मशीनों का इस्तेमाल कम करना होगा या ऐसी मशीनों का उपयोग करना होगा जिससे ऐसी गैसें कम निकलती हों। औद्योगिक इकाइयों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं भी हानिकारक होता है। साथ ही वाहनों में से निकलने वाला धुआं भी पर्यावरण को बिगाड़ता है। रासायनिक इकाइयों से निकलने वाला कचरा और जंगलों में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई भी धरती के तापमान को बढ़ाने में योगदान दे रही है। ऐसे में पर्यावरण मानकों का सख्ती से पालन करने, अक्षय ऊर्जा, जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पनबिजली के उपायों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। तभी ग्लोबल वार्मिंग पैदा करने वाली गैसों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके लिए मजबूती से लगातार प्रयत्न करते रहने की जरूरत है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजनीति में अपराधियों का खात्मा हो सकता है क्या?

महावीर सिंह

राजनीति में अपराधियों के बोलबाले पर 30 साल से अधिक समय से बहस हो रही है। जाने-माने विधिवेत्ताओं नें, राजनीति में शुचिता के पक्षधर चिंतकों-लेखकों-एक्टिविस्टों-आम जन नें, चुनाव अयोग के नामचीन मुख्य आयुक्तों आदि नें समय-समय पर बहुत सारे सुझाव दिए किन्तु अभी तक इस दिशा में कोई सार्थक कदम नहीं उठाया गया है। चुनाव आयोग तो यह कह कर पल्ला छड लेता है कि इस सम्बंध में कानून बनाने व संसोधन का अधिकार संसद के पास है। संसद में चिंता जरूर व्यक्त कर दी जाती है किंतु कानून बनाने में, दृढ इच्छा शक्ति के अभाव में, अभी तक कोई सार्थक कदम नहीं उठाया गया। मतदाता के पास तो अपराधी प्रत्याशियों को हराने के अधिकार केवल 5 साल में आता है। उस समय विभिन्न क्षेत्रीय, जातीय, व्यक्तिगत मुद्दे और धनबल, अपराधियों का डर, राजनेताओं से उनकी नजदीकी आदि हावी हो जाते है। आम आदमी को भरोसा ही नहीं कि राजनीतिक पार्टियों के मर्जिदान दुर्दांत अपराधियों से सरकार-राजनेता उसकी सुरक्षा कर सकते है। उसके लिए स्वयं की और अपने परिवार की सुरक्षा सर्वोपरि है।

अत: राजनीति के अपराधीकरण रोकने की प्रभावी पहल केवल राजनीतिक दल या चुनाव आयोग व संसद ही कर सकते है।

राजनीतिक दलों के जो विचार, मन्तव्य, कार्यप्रणाली इन वर्षों में सामने आए है उनके अनुसार उन्हें, केवल और केवल चिंता यह होती है कि सदनों में उनके अधिकाधिक सदस्य चुन कर आ जाए। उन्हें इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अपराधियों-बाहुबलियों-माफियाओं व अकूत काले धन वालों को टिकट देने में कोई गुरेज नहीं होता। पैमाना प्रत्याशी की जिताऊ होने की क्षमता होती है, बाकी सब बातें बाद की।

संसद में कानून बनाने, संशोधन करने की परम शक्ति निहित है किंतु संसद नें तो पिछले कई दशकों से ऐसा किया नहीं क्योंकि कोई राजनीतिक दल ऐसा करना चाहते ही नहीं। संसद में तो वही होगा जो बहुमत चाहेगा। अभी तक का तो अनुभव यही कहता है कि संसद में कोई दल इस विषय पर गम्भीर नहीं। समय-समय पर विभिन्न राजनेताओं व निहित स्वार्थ वालों के इस विषय पर विचार सामने आते है। उनके अनुसार चुनाव लड़ना किसी नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। इसलिए बिना न्यायिक निर्णय के उन्हें चुनाव लड़ने से बाधित नहीं किया जा सकता है। राजनीतिक दल भी इसी तर्क को ढाल बनाकर दुर्दांत अपराधियों को पोषित करते है कि केवल आरोप ही तो है, दोषसिद्धि थोड़े ही हुई है।

सभी राजनीतिक दल अपराधियों के पक्ष में तो कई तर्क दे देंगे किन्तु क्या जिस व्यक्ति के विरुद्ध हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे गम्भीर अपराध हुए है, उस व्यक्ति या उसके परिवार का कोई अधिकार नहीं है क्या? या वे लोग केवल, कोर्टों में पेशी दर पेशी भुगतता रहे और अंत में दुर्दांत अपराधी गवाहों को तोड ले, गायब कर दे, मन माफिक गवाही दिला कर भुक्तभोगियों को अंगूठा दिखाते हुए बाइज्जत बरी होने का ठप्पा लगवा ले।

अब बचा चुनाव आयोग। सही है चुनाव आयोग को संसद वाले अधिकार तो नही।

लेकिन कल्पना करें कि चुनाव आयोग में कोई शेषन फिर से आ जाए और एक आदेश निकाल दे कि जिस व्यक्ति के विरुद्ध हत्या, बलात्कार, अपहरण व सात साल या आदिम के मामले में सक्षम न्यायालय में बाद सुनवाई अपराध से सम्बंधित बिंदु तय हो गए और किसी ऊपरी अदालत का स्थगन आदेश नहीं है तो उनका चुनाव लड़ने हेतु नामांकन का पर्चा अस्वीकार होगा। कोना सा ऐसा राजनीतिक दल, सिविल एक्टिविस्ट समूह होगा जो इसे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में चेलेंज करेगा? कौन सा ऐसा राजनीतिक दल होगा जो इसे संसद में पलटवाने के लिए कानून बनवाने की कार्यवाही प्रारम्भ करवाएगा?

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

बीकानेर स्थापना दिवस पर प्रदर्शित होगी ऊंट की खाल से बनी दुनिया की सबसे छोटी पतंग

बीकानेर, (निसं)। ऊंट की खाल पर बनी दुनिया की सबसे छोटी पतंग बीकानेर स्थापना दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जाएगी। इस पतंग का आकार मात्र 1 एम एम है। इस पतंग पर 22 कैरेट गोल्ड स्वर्ण नक्काशी उस्ता कार्य किया गया है। बीकानेर के 535वें स्थापना दिवस के मौके पर जिला प्रशासन नगर विकास न्यास नगर निगम व देवस्थान के सहयोग से आयोजित प्रदर्शनी में एक नया कार्य मास्टर क्राफ्ट मैन शौकत अली उस्ता पुत्र रहीम बक्स उस्ता जो भारत सरकार द्वारा उस्ता कला में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता है, द्वारा प्रदर्शित करेंगे। उस्ता कला को आगे बढ़ाने और कुछ नया कर दिखाने के लिए उस्ता ने इस बार एक नया कीर्तिमान तैयार किया है।

- **इस पतंग का आकार मात्र एक एम एम है, इस पतंग पर 22 कैरेट गोल्ड स्वर्ण नक्काशी उस्ता कार्य किया गया है**
- **मथेरण व उस्ता कला के भित्ति चित्रों की 100 फोटोग्राफ भी कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जाएगी**

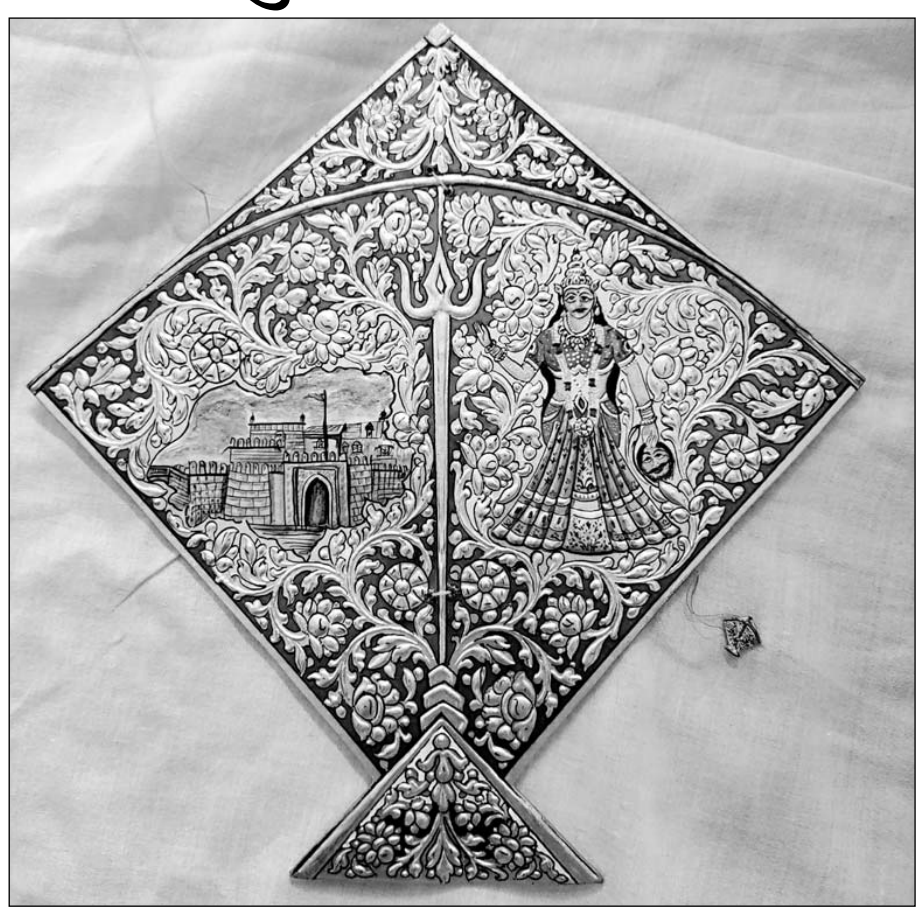

यह पतंग बीकानेर स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाली कला प्रदर्शनी में शामिल होगी।

प्रदर्शनी के संयोजक अजीज भुट्टा ने बताया कि ऊंट की खाल पर दुनिया की सबसे छोटी बनी पतंग के दोनों तरफ सुनहरी नक्काशी की गई है। पतंग के एक तरफ 22 केरेट गोल्ड से बीकानेर का नक्शा बनाया है तो दूसरी तरफ उस्ताकला से तैयार स्थापना दिवस लिखा है जो लेंस जरिये ही देखा जा सकता है। दूसरी पतंग 21 गुणा 21 सेंटीमीटर की बनी हुई है जिसके दोनों तरफ उस्ता कला नक्काशी 22 केरेट गोल्ड से तैयार की है। जिसके एक तरफ देशनोक की करणीमाता का चित्र व जुनागढ़ किला बनाया गया है यह दोनो चित्र एक तरफ ही है। जिसमें करणीमाता को बीकानेट पर आशीर्वाद देते हुए दिखाया गया है। पतंग के दूसरी तरफ उस्ता कला नक्काशी के साथ राजस्थान की शान ऊँट को दिखाया गया है। दोनों पतंगों पर ओर (धागा) से कनिया भी लगाया हुआ है। उस्ता कलाकारी और हुनर की बदौलत ही उन्होंने विश्व में बीकार्नर का डंका बजाया है। बीकार्नर का नाम विश्व में प्रसिद्ध किया। शौकत उस्ता ने इस कला की बारीकियों का ज्ञान मोहम्मद हनीक उस्ता से लिया इनकी यह कला पीढ़ी दर-पीढ़ी चली आ रही है।

शौकत उस्ता बीकानेर की लुप्त होती उस्ता कला को बचाने का निरन्तर कार्य करते आ रहे है तथा समय-समय पर सरकारी व गैर सरकारी प्रशिक्षण देने का कार्य की भी करते है।

शौकत ने कहा कि बीकानेर के युवा जहां प्रतिभा से भरपूर है। वही के उन्हें अपनी कला दिखाई व अपने कौशल को चमकाई के लिए एक मंच प्रदान करने की आवश्यकता है। संयोजक के अनुसार कला प्रदर्शनी मथेरन कला, उस्ता कला व फोटोग्राफी भी इन दोनों कलाओं से संबंधित अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडल प्राप्त अज़ीज़ भुट्टा द्वारा लिए गए 100 भित्ति चित्रों के फोटोग्राफ्स भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इस तरह के फोटो पहली बार किसी प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी के उप संयोजक डॉक्टर मोहम्मद फारुख चौहान ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्घाटन 19 अप्रैल की सवेरे दस बजे होगा। प्रदर्शनी रोजाना सवेरे 10 बजे से सायं 8 बजे तक आम दर्शकों के लिए निशुल्क खुली रहेगी।

तौफिक पहलवान ने कुश्ती जीती

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के बिलाली सड़क मार्ग पर स्थित कानूनगो वाले हनुमान जी महाराज का मेला मंगलवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। मेले के दौरान सुबह से मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा की पूजा-अर्चना और प्रसाद चढ़ाकर मन्नौती मांगी। मेले में दोपहर बाद कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ, कामड़े की कुश्ती चांदोली के तौफिक पहलवान और राजेश पहलवान माजरा के मध्य हुई।

विजेता तौफिक पहलवान को मेला कमेटी द्वारा 51 सौ रूपये देकर सम्मानित किया गया। मेला कमेटी की ओर से भण्डारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी पाई। मेले में भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र यादव का साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। मेले में विभिन्न प्रकार की सजावटी सामानों की दुकान और स्टाल लगाई गई, जिसमें बच्चों व महिलाओं ने खरीददारी की। मेला स्थल पर सेवादारों ने शीतल जल की प्याऊ लगाई। इस मौके पर सुल्तान राम सैनी, जलेसिंह मीणा, हीरालाल धाबाई, राजू प्रजापत, वैध भवानीशंकर, बजरंग गुर्जर, महेन्द्र शर्मा, घनश्याम योगी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

सारथी ट्रस्ट की मदद से "सुहानी" बाल विवाह से मुक्त हुई

जोधपुर, (कासं)। सूर्यनगरी में एक और बालिका वधु ने बाल विवाह के खिलाफ जंग जीत ली। जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोदी ने आखातीज से पहले समाज को कड़ा संदेश देते हुए सुहानी के बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया। यह कार्य सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. कृति की मदद से हो पाया।

- **जोधपुर पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश ने आखातीज से पहले बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया**
- **सारथी ट्रस्ट की डॉ.कृति की मदद से प्रदेश में 49 वां बाल विवाह निरस्त हुआ**

जानकारी के अनुसार जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोदी ने आखातीज से पहले समाज को कड़ा संदेश देकर सुहानी के बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया। जिसके साथ ही सारथी ट्रस्ट की डॉ.कृति की मदद से प्रदेश में 49 वां बाल विवाह निरस्त हो गया।

दैनिक मजदूर की बेटी करीब 19 वर्षीय सुहानी (बदला हुआ नाम) का बाल विवाह करीब 6 साल पहले महज 13 साल की उम्र में समाज के दबाव में करवा दिया गया था। सुहानी प्रशासनिक अधिकारी बनने का ख्वाब संजोए थी। उसको खुद के ख्वाब टूटते दिखे। इधर लगातार छह साल तक ससुराल वालों ने लगातार गौना करने का दबाव बनाया और धमकियां दी तो अवसाद से घिर गई। घबराहट में स्कूल जाना तक छूट गया। हर पल भविष्य की चिंता सता रही थी।

सुहानी को बाल विवाह की करीब 6 साल तक पीड़ा झेलने के बीच एक कोचिंग संस्थान के यूट्यूब लाइव कार्यक्रम में बीबीसी की 100 प्रेरणादायी महिलाओं व वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट सूची में शुमार सारथी ट्रस्ट की डॉ.कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद उसने डॉ.कृति से मुलाकात कर पीड़ा बयां की। डॉ.कृति भारती ने पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 में करीब 5 माह पहले सुहानी के बाल विवाह निरस्त का वाद दायर किया।

डॉ.कृति भारती ने पैरवी कर न्यायालय को बाल विवाह के तथ्यों और दस्तावेजों से अवगत करवाया। जिसके बाद पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोदी ने बालिका वधु सुहानी के 6 साल पहले महज 13 साल की उम्र में हुए बाल विवाह को निरस्त करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया। न्यायाधीश मोदी ने समाज को बाल विवाह के खिलाफ खड़ा संदेश देते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करना सरासर गलत है।

देश सालों से बाल विवाह की कुप्रथा में जकड़ा हुआ है। इसके खात्मे के लिए समेकित प्रयास करने जरूरी है। बाल विवाह निरस्त के फैसले पर सुहानी खुशी से उछल पड़ी और डॉ.कृति से लिपट गई।

सालभर से पेयजल सप्लाई बंद

खिरोड़, (निसं)। मोहनवाड़ी ग्राम पंचायत की रणवां की ढाणी में सार्वजनिक रूप से बनाई गई ट्यूबवैल एक वर्ष से खराब अवस्था में पड़ी होने से क्षेत्र की जनता को पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

ढाणी के ग्रामीण भोपाल सिंह के मुताबिक जलदाय विभाग द्वारा लगाई गई ट्यूबवैल पिछले एक वर्ष से बंद पड़ी रहने से ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस ट्यूबवैल की मोटर अंदर नीचे चली जाने से ट्यूबवैल खराब पड़ी है। इस समस्या को लेकर जलदाय विभाग के संबंधित जेईएन, एईएन सहित उच्च अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत सरपंच को भी अवगत करवाया जा चुका है। मगर अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस ट्यूबवैल को ठीक करवाने की मांग की है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 19 अप्रैल, 2023

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, रेवती नक्षत्र रात्रि 11:53 तक, वैधृति योग दिन 3:24 तक, शकुनी करण दिन 11:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:53 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज पितृ अमावस्या, अन्वाधान शब्बे कद्र है। पंचक रात्रि 11:53 पर समाप्त होंगे। आज मृत्युयोग रात्रि 11:53 से सूर्योदय तक और वैधृति पुण्यम है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:48 से 12:26 तक, चर 3:56 से 5:09 तक, लाभ 5:09 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

कर्क

धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

तुला

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

वृश्चिक

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित योजना बनेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।